श्री ब्रज चौरासी कोस यात्रा

Shri Braj Chaurasi (84) Kos Yatra

(मथुरा, वृन्दावन, नन्दगाँव, बरसाना, गोवर्धन की यात्रा)

प्रतिमाह दिनांक 10–19

10^{th} - 19^{th} of every month

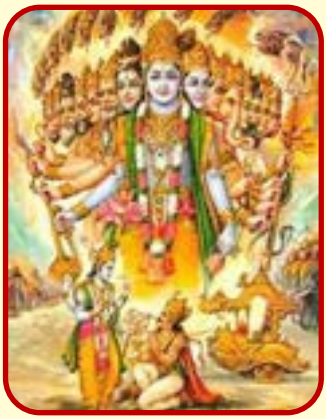

मुक्ति कहे गोपाल से, मेरी मुक्ति बताओ !

ब्रज रज उड़ी मस्तक लगे, मुक्ति मुक्त हो जाय !!

मुक्ति कहे गोपाल से, मेरी मुक्ति बताओ !
ब्रज रज उड़ी मस्तक लगे, मुक्ति मुक्त हो जाय !!

इन पंक्तियों में ब्रज का सार समाहित है। लोग ब्रज रज (मिट्टी) घर ले जाते हैं। इस रज में श्री कृष्ण की गंध महसूस होती है। यमुना से जुड़ी बाल लीलाएं और गोवर्धन, बरसाना, नंदगाव सहित पूरे ब्रज में स्नेह और प्यार के न जाने कितने प्रसंग भक्तो के हृदय में जीवन्त हैं, जिनमें कृष्ण के दर्शन होते हैं। ब्रजधाम की परिक्रमा को भक्त लोग सबसे बड़ा पुण्य मानते हैं। पुराणों में भी ब्रज धाम को सभी धामों से निराला बताया गया है। वस्तुत: इस ब्रज भूमि का कण-कण राधा-कृष्ण की पावन लीलाओं का साक्षी है। यही कारण है कि समूचे ब्रज मण्डल का दर्शन व उसकी पूजा करने के उद्देश्य से देश-विदेश से असंख्य तीर्थ यात्री यहां वर्ष भर आते रहते हैं

पुराणों में कहा गया है, ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा को लगाने से एक-एक कदम पर जन्म-जन्मान्तर के पाप नष्ट हो जाते हैं। शास्त्रों में यह भी कहा गया है कि इस परिक्रमा के करने वालों को एक-एक कदम पर अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है। साथ ही जो व्यक्ति इस परिक्रमा को पुर्ण करता है, उस व्यक्ति को निश्चित ही मोक्ष की प्राप्ति होती है। ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा चौरासी लाख योनियों के कष्टो को हर लेती है।

हिन्दू शास्त्रो की ऐसी मान्यता है कि एक बार नन्द बाबा व यशोदा मैया ने भगवान श्रीकृष्ण से चारों धामों की यात्रा करने हेतु अपनी इच्छा व्यक्त की थी। इस पर भगवान श्रीकृष्ण ने उनसे कहा कि आप वृद्धावस्था में कहां जाएंगे , मैं सभी धामों को ब्रज में ही बुलाए देता हूं। भगवान श्रीकृष्ण के इतना कहते ही चारों धाम ब्रज में यत्र-तत्र आकर विराजमान हो गए। तत्पश्चात यशोदा मैया व नन्दबाबा ने उनकी परिक्रमा की। वस्तुत:तभी से ब्रज में चौरासी कोस की परिक्रमा की शुरुआत मानी जाती है।

ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा लगभग 268 कि.मी. (168 मील) की होती है। ऐसा माना जाता है कि राधा-कृष्ण ब्रज में आज भी नित्य विराजते हैं। अतएव, उनके दर्शन के निमित्त भारत के समस्त तीर्थ यहां विराजमान हैं। ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा के अंदर 1300 से अधिक गांव, 1100 सरोवर, 48 वन, 24 कदम्ब खण्डियां, अनेक पर्वत व यमुना घाट एवं कई अन्य महत्वपूर्ण स्थल हैं। वाहनो द्वारा यात्रा 8 से 10 दिनो में आनन्द पूर्वक पुर्ण हो जाती है। ब्रज परिक्रमा के दौरान तीर्थयात्री भजन गाते, संकीर्तन करते और ब्रज के प्रमुख मंदिरों व दर्शनीय स्थलों के दर्शन करते हुए समूचे ब्रज की बडी ही श्रद्धा के साथ परिक्रमा करते हैं। हमारी संस्था द्वारा लक्जरी कोच बसों या कारों से तीर्थयात्रियों को समूचे ब्रज चौरासी कोस के प्रमुख स्थलों के दर्शन कराए जाते हैं। यात्राएं प्रतिदिन प्रात:काल जिस स्थान (वृन्दावन) से प्रारम्भ होती हैं एवं रात्रि को वहीं पर आकर समाप्त हो जाती हैं।

ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा वर्ष भर चलती रहती हैं इन यात्राओं में राधा-कृष्ण लीला स्थली, नैसर्गिक छटा से ओत-प्रोत वन-उपवन, कुंज-निकुंज, कुण्ड-सरोवर, मंदिर-देवालय आदि के दर्शन होते हैं। इसके अलावा सन्त- महात्माओं और विद्वान आचार्यो आदि के प्रवचन श्रवण करने का सौभाग्य भी प्राप्त होता है और अनेक पौराणिक स्थलों के दर्शन चौरासीकोस यात्रा में होते हैं।

श्री ब्रज चौरासी कोस यात्रा का विवरण

नोट :- प्रतिदिन रात्रि विश्राम (NIGHT STAY) वृन्दावन मे होगा।

पहला दिन : श्री धाम वृन्दावन में आगमन एवं रात्रि विश्राम

दूसरा दिन : यमुना स्नान, यमुना पूजन, सात धारा गोपेश्वर, निधि वन, रंगनाथ मन्दिर, दोपहर के भोजन के बाद मानसरोवर, भांडेर वन, बेल वन, माटवन, नरसिंह मन्दिर।

तीसरा दिन लोहवन, रावल दाऊजी, राधा रानी का जन्म स्थान, चिन्ताहरण महादेव ब्रह्माण घाट, रमनरेती, गोकुल चैरासी खम्बा, पूतना वध स्थल, चन्द्रावली, दोपहर के भोजन के बाद पागल बाबा मन्दिर, अक्रूर घाट एवं अन्य आश्रम।

चैथा दिन जमुना स्नान विश्राम घाट, मथुरा, द्वारकाधीश मन्दिर, ध्रुव टीला महोली , कृष्ण जन्म स्थली, कारावास, बिडला मन्दिर, तपोवन गायत्री मन्दिर दोपहर के भोजन के बाद गोरे दाऊजी, जयपुर मन्दिर, कांच मन्दिर, जमाई ठाकुर, सीताराम मन्दिर एवं अन्य मन्दिर।

पांचवा दिन **(गोर्वधन परिक्रमा)** कुसुम सरोवर, मानसी गंगा, दान घाटी, गोविन्द कुण्ड, पूछरी का लोठा, मुखारबिन्द, चकलेश्वर, जतीपुरा, उद्धव कुण्ड, राधारानी की ननिहाल मुखराई, ललिताकुण्ड दोपहर के भोजन के बाद बांके बिहारी, कालीदह, मदनमोहन मन्दिर राधा कुंड, श्याम कुंड।

छठा दिन चार धाम यात्रा बद्रीनाथ, तप्तकुण्ड, केदारनाथ,गौरीकुण्ड, गंगोत्री, यमनोत्री, चरण पहाड़ी, विमल कुण्ड, कामेश्वर महादेव (दोपहर का भोजन सुविधा अनूसार)

सातवां दिन बरसाना, घेवरवन, दानगढ़, मानगढ, राधारानी मन्दिर, ललिता सखी मन्दिर, मोरकुटी, टेर कुण्ड (दोपहर के भोजन के बाद) इस्कॉन टैम्पल, वैष्णो देवी, अक्षय पात्र, जयपुर महल

आठवां दिन नन्दमहल,टेरकुण्ड,टेरकदम्ब,आशेश्वर महादेव,पावन सरोवर,चरण पहाडी, कोकिला वन,शनि मंदिर, जाव वट,लुका चुटिला,राधारानी कीससुराल, किशोरी कुण्ड,किशोरी जी मंदिर,प्रेम मन्दिर दोपहर के भोजन के बाद।

नवां दिन शेरगढ, खेलनवन, दाऊजी, विहारवन, अक्षय वट, चीरघाट, कात्यायिनीदेवी मंदिर, जयकुण्ड, चैमुखीब्रहमामंदिर, वच्छ वन विहारी।

दसवाँ दिन यमुना पूजन (वृन्दावन) एवं वृन्दावन धाम की सामुहिक परिक्रमा यात्रापूर्ण होने का भक्तिमय समारोह।

यात्रा का शुल्क

यात्रा के दौरान भोजन, भ्रमण, ठहरने हेतु होटल/आश्रम सहित सभी सेवाओ का शुल्क 15,000/- प्रति व्यक्ति होगा | बच्चों का किराया (उम्र 4 से 8 साल तक) 11,000/- होगा| बच्चों को गाड़ी में आरामदायक सीट दी जाएगी और कमरे में अलग से पलंग एवं बिस्तर (Extra Bed) दिया जायेगा | अग्रिम बुकिंग हेतु 2500/- रुपया प्रति यात्री नीचे दिये हुए अकाउन्ट में जमा करें। शेष धनराशि यात्रा से पहले वृन्दावन पहुँचने पर जमा कराए।

Name: Satkarma Mission
Bank Name: Axis Bank, Haridwar
Account No: 919020059530735
IFSC Code: UTIB 0004046 / UTIB 000358
Branch Name/code: BHUPATWALA, Haridwar, Uttrakhand

ठहरने की व्यवस्था

रात्रि विश्राम वृन्दावन में आश्रम/होटल में डबल बेडरुम (अटैच लेटबाथ) में रहेगा| यात्रा प्रतिदिन वृन्दावन से शुरु होकर वृन्दावन पर ही सम्पन्न होगी| पहले दिन यात्री अपनी सुविधानुसार निर्धारित समय पर वृन्दावन/मथुरा में निरधारित आश्रम/होटल में पहुचेंगे|

यात्रा के लिए वाहनों की व्यवस्था

भ्रमण के लिए बसो व कारों की व्यवस्था संस्था के द्वारा होगी | यह बस यात्रियों को प्रतिदिन भ्रमण के लिए ले जाएगी तथा घुमाकर वापिस वृन्दावन लाएगी | जिन स्थानों पर मंदिरों की पाकिंग से दूरी अधिक है, वहां रिक्शों से पहुचाया जायेगा इस प्रकार यात्रियों को पैदल बहुत कम चलना पड़ेगा |

भोजन व्यवस्था

यात्रिओं के लिए यात्रा काल में सुबह की बेड टी, नाश्ता व दोपहर एवं रात्रि भोजन का समूचित प्रबंध होगा | समय की उपलब्धता के आधार पर यात्रियों को उचित शुद्ध शाकाहारी भोजन दिया जायेगा | प्याज व लहसुन का प्रयोग वर्जित होगा |

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।
सतकर्म मिशन (रजि.)
+91-9636332129 | +91-7838245431
E-mail : satkarmamission@gmail.com
Website: www.satkarmamission.com